[श्री मनी राम बागड़ी]

लिए करते तो ज्यादा अच्छा होता । असल मे दोष क्या है कि बाढ़ जब आती है तब सब चिल्लाते हैं और जब बाढ चली जाती है तो सो जाते है ।

मैंने हाथी कमीशन की मीटिंग मथुरा मे बुलाई और श्री रामकिशन जी ने जो सहयोग दिया उसी का परिणाम है कि आज भरतपुर 750 करोड और मथुरा 1050 करोड रुपए बाढ़ के लिये लगना मजूर हुआ है। मेरे दोस्त मेरे पर आक्षेप करने के बजाय अपने क्षेत्र मे जाकर सरकारी नौकरशाही के कान खोलें और इस काम को जो बाढ रोकने का है उसे तेजी से चलवायें ताकि भरतपुर म बाढ आने न पाये और न मथुरा मे ।

मैं चाहता हू कि मेरे उस साथी का जिसने कभी जुल्म के खिलाफ आवाज सुनना भी पसन्द न किया था यह बात दूसरी है कि वे मुझे भूल गए है यह स्पष्ट हो जाये कि मैंने जो कुछ भी किया है इस भावना से नही किया है कि किसी अन्य क्षेत्र का नुक्सान पहुच बल्कि मैंने अपने कर्त्तव्य का पालन करने के लिए ठीक किया है ।

अच्छा हुआ माननीय श्री रामकिशन जी ने मुझको छेडा जिससे कि मथुरा भरतपुर और हरियाणा की जनता इस मत्र का समर्थ कि गोवर्धन उठाओ और भारत को बचाओ।

सभापति महोदय प्रोसीडिंग्ज म उतनी ही बात लिखी जायगी जितना इन के बयान म लिखा हुआ है ।

---

15 05 hrs

[MR DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

METTERS UNDER RULE 377

(1) NEED FOR INSTALLATION OF STATUES OF DR RAM MANOHAR LOHIA AND DR SHAYMA PRASAD MUKHERJEE NEAR PARLIAMENT HOUSE

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) , उपाध्यक्ष महोदय, मैं आज जिस सवाल को उठा रहा हू वह एक ऐसे महापुरुष का सवाल है जिस ने न सिर्फ आजादी की लडाई मे बल्कि जिस ने जीवन भर आजादी के बाद भी हमेशा जुल्मो के खिलाफ सघर्ष किया है । तिब्बत पर जब हमला हुआ, तो सब से पहले उस महापुरुष ने आवाज उठाई । खान अब्दुल गफ्फार खान का मामला आया, तब उस ने आवाज उठाई और नेपाल की जेल मे से वे भागे । लार्ड इर्विन और जार्ज पचम के स्टेचू, जो इन्डिया गेट के सामने थे और विदेशी जब हमारे शासक थे उस वक्त लगाए गए थे, को उखाड फैंकने का काम इसी महापुरुष की देन है । उस मे हमारे माननीय बागडी भी थे और दूसरे बहुत से नेता थे । तो उस महापुरुष डा० लोहिया और उस के बाद डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की यादगारे स्थापित करने के सम्बन्ध म मैं ने 377 के तहत इस मामले को उठाने के लिये लिखा था जिस को मैं पढ कर सुनाना चाहता हू ।

'मैं आप का अत्यत ही आभारी हू कि आप ने अत्यन्त लोक महत्व के विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने का मौका दिया है । डा० राम मनोहर लोहिया उन नेताओ म से एक थे जिन का जीवन शोषित जनता के लिए समर्पित था । जिन्होने कहा था कि लोग मेरी बात सुनेंगे जरूर सुनेंगे लेकिन शायद मेरे मरने के बाद ? डा० राम मनोहर लोहिया ने सिर्फ विदशी हुकूमत से जूझते रहे बल्कि आजादी के बाद भी देश की शोषित पीडित जनता के लिए उन्हें काफी यातनाये सहनी पडी और जेल की चारदीवारी के अन्दर बद रहना पडा । आज हम लोग जो सरकारी पक्ष म बैठे हुए है वह उन्ही की देन हैं । डा० लोहिया को कई बार विदेशी प्रतिमाये हटाने के जुर्म म भी जेल जाना पडा । आज हम अफसोस है कि हमने न सिर्फ डा० लोहिया को भुलाया है बल्कि उन की नीतियो को भी भूलते जा रहे हैं । आज कहीं भी उस

महापुरुष की प्रतिमा नहीं है जबकि इस दिल्ली महानगरी में सैकड़ों प्रतिमायें हैं। अतः मैं आप के माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि पार्लियामेंट हाऊस के सामने ट्रांसपोर्ट भवन के बगल वाले चौक पर डा० लोहिया की प्रतिमा 23 मार्च को स्थापित की जाए। साथ ही साथ एक और महान पुरुष डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो बहुत बड़े पार्लियामेंटरियन थे तथा देश को शायद ही ऐसा विद्वान वक्ता मिला हो, की प्रतिमा इंडिया गेट के सामने या पार्लियामेंट स्ट्रीट में स्थापित की जाए। उपाध्यक्ष महोदय, डा० राम मनोहर लोहिया, डा० अम्बेदकर और डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों की प्रतिमा भी संसद् के केन्द्रीय कक्ष में लगनी चाहिए, तथा इनके जन्म दिवस पर सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की जाये। मुझे आशा है कि मंत्री महोदय और सरकार इस ओर गम्भीरतापूर्वक विचार कर इसी सत्र में एक वक्तव्य देंगे।

(ii) REPORTED SUPPLY OF ADULTERATED PESTICIDES TO FARMERS IN WEST BENGAL

SHRI RAJ KRISHNA DAWN (Burdwan): Mr. Deputy Speaker, Sir, sometime back the House was in a serious discussion about a rape case. Now I would like to draw the attention of the Government to a serious subject, which is no less serious than a rape case. You will find that adulteration is there in every sphere of our lives and the Government is a silent spectator. I have got here this plant which has died due to the rape by the adulterators. This is not a mere plant. It is a very important vessel to cross the days of our lives. Even the pesticide supplied in West Bengal is adulterated. Due to adulteration the farmers face difficulties which cause national loss on the one hand. On the other hand due to financial difficulties the cultivators are not able to repay their loans, which have been given to the farmers by the Government. This plant was collected from a farmer named Madan Das, Manjza Kanchan Nagar of Burdwan District. It is infested by the stem border. It is the scientific name of the plant disease. Curative measures have been taken by the cultivators in due time and in day time. But they have got no effect. Spraying was done in broad daylight but it has not had any effect. It is very unfortunate for the nation that the Price Control Department of the Government is doing nothing and looking like an inanimate object. The pesticide's name is Dimecron. The company's name is CIBA. It is a very famous company all over the world. The effect is that thousands of acres of paddy have been lost without any remedy. I draw the attention of the Government to this serious matter so that they may take action regarding this. This affects cultivation of paddy and jute not only in West Bengal but all over the country.

(iii) REPORTED ACADEMIC FREEDOM IN UNIVERSITIES

DR. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay-North East): Sir, it has now become fashionable for some dubious intellectuals to raise the question of academic freedom in Universities. The newspapers day in and day out have statemen's published of people who were originally with them and still are with them, who are constantly raising, raking up the question of interference in academic freedom in the universities.

So, if one scans the names of the protesting dons, it becomes easily apparent that those who utilised political power in the past for naked personal advancement and to obtain *malafide* and out-of-turn promotions are precisely those who are raising a scare of political influence under the new Government.